RUOLDPAPERS.COM

This question paper contains 4 printed pages.

B.A./B.Sc./B.Com. (Sem. - I)

014282

Roll No. .....

AEC-HIN

AEC-51T-102

B.A./B.Sc./B.Com. Three/Four Year (Semester - I)

EXAMINATION SESSION 2024-25 (Held in Jun. 2025)

(Non-Collegiate)

(Ability Enhancement Course)

Paper Code - AEC-51T-102

सामान्य हिन्दी (व्याकरण)

Time Allowed: Three Hours

Maximum Marks: 50

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न–पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखें। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक उसके सामने अंकित हैं।

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर–पुस्तिका नहीं दी जायेगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

खण्ड–अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 में इकाई 1 के भाग (क) एवं (ख) तथा इकाई 2 के भाग (क) एवं (ख) प्रत्येक से दो–दो प्रश्न कुल आठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 03 अंक का होगा।

खण्ड–ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2, 3 में इकाई 3 के भाग (क) एवं भाग (ख) से एक–एक प्रश्न पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा।

खण्ड–स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 4, 5, 6 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है जिसमें इकाई 4 के भाग (क) से दो प्रश्न (प्रत्येक 04 अंक) तथा भाग (ख) से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 8 अंक का होगा।

खण्ड – अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 8X3=24

(i) निम्नलिखित किस शब्द में उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है?

(क) निकम्मा

(ख) प्रवेश

(ग) स्वाधीन

(घ) अभाव

RUOLDPAPERS.COM

(ii) निम्नलिखित शब्दों के संधि–विच्छेद कीजिए–

(क) परोपकार

(ख) छात्रावास

(ग) परीक्षार्थी

(घ) नाविक

(iii) निम्नलिखित वाक्यों से सर्वनाम छाँटिए और उनके भेद का नामोल्लेख कीजिए–

(क) ये हिरण है।

(ख) बाहर कोई खड़ा है।

(ग) उसकी माता जी बीमार है।

(घ) दूध में कुछ पड़ा है।

(iv) वह विश्लेषण जो अपने विशेष्यों की निश्चित या अनिश्चित मात्रा का बोध कराए–

(क) संकेतवाचक

(ख) परिमाणवाचक

(ग) संख्यावाचक

(घ) गुणवाचक

(v) निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए

(क) इतिहासिक

(ख) यथेष्ठ

(ग) चहरदीवारी

(घ) संसारिक

(vi) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

(क) दरअसल में वह अच्छा है।

(ख) वह सज्जन पुरुष है।

(ग) उसने मुझे खाने को बुलाया है।

(घ) आप मेरे को पुस्तक दे दें।

RUOLDPAPERS.COM

(vii) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए –

(क) अपना उल्लू सीधा करना

(ख) आँख का काँटा होना

(ग) ईंट से ईंट बजाना

(घ) ऊँट के मुँह में जीरा

(viii) निम्नलिखित लोकोक्तियों का अर्थ बताते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) 'अधजल गगरी छलकत जाय'

(ख) 'एक तो करेला दूसरा नीम चढ़ा'

खण्ड – ब

2. निम्न अवतरण का संक्षेपण कीजिए– 5

प्रेमचंद जी के हृदय में मानवता के प्रति आरम्भ से ही प्रेम उत्पन्न हो गया था। इसीलिए उन्होंने अपने साहित्य में उन लोगों को स्थान दिया जो सामाजिक विषमता और शोषण के शिकार थे, जो पद दलित और पीड़ित थे। उनकी मूक आवाज को प्रेमचंद जी ने वाणी दी तथा जमींदारों, सेठों, सामन्तों और धर्म के ठेकेदारों की असलियत को, उनके जीवन के काले कारनामों को प्रकट कर सबके सामने रखा। प्रेमचंद जी की दृष्टि में पीड़ित और शोषित, मानवता की सेवा, धर्म की सच्ची साधना थी। वे मनुष्य और उसकी मनुष्यता को सर्वोपरि स्थान देते थे। उन्होंने आरम्भ से अन्त तक एक ही वाद को माना है और वह है मानववाद। चाहे वे यथार्थवाद की ओर झुके हो, चाहे आदर्शवाद की ओर, चाहे वे गाँधीवाद के समर्थक रहे, चाहे साम्यवाद या समाजवाद के, पर उन्होंने मानववाद को कभी नहीं छोड़ा। इस प्रकार प्रेमचंद जी एक मानववादी कलाकार है। गिरी हुई मानवता को ऊँचा उठाना, मनुष्य में मनुष्यता की प्रतिष्ठा करना, ऐसी संस्कृति का निर्माण करना जिसमें कोई सामाजिक भेद–भाव और विषमता न हो तथा जिसमें व्यक्ति की अपेक्षा समग्र समाज की महत्ता हो, यही प्रेमचंद जी की साहित्य–साधना का उद्देश्य था।

3. निम्नलिखित में से किसी एक का पल्लवन कीजिए– 5

(क) 'पराधीन सपनेहु सुख नाहीं'।

(ख) 'सदाचार ही परम धर्म है'।

(ग) 'संगठन में शक्ति है'।

RUOLDPAPERS.COM

4. जिला शिक्षा अधिकारी, बीकानेर की ओर से सचिव, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रायगढ़, बीकानेर में बोर्ड परीक्षा केन्द्र की स्वीकृति हेतु कार्यालयी पत्र लिखिए। 4

5. सचिव, शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार की ओर से एक वरिष्ठ प्राचार्य के स्थानान्तरण प्रतिनियुक्ति के आदेश का प्रारूप तैयार कीजिए। 4

6. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबंध लिखिए। (शब्द सीमा: 400) 8

(क) राष्ट्रभाषा हिन्दी–वर्तमान स्वरूप और समस्याएँ

(ख) राष्ट्र निर्माण और युवा वर्ग का दायित्व

(ग) पर्यावरण और प्रदूषण

(घ) राजस्थान और पर्यटन